



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 315] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 18, 1985/आषाढ़ 27, 1907  
No. 315] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 18, 1985/ASADHA 27, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1985

संपदा-शुल्क

सा. का. नि. 593(अ) :—उत्तर प्रदेश राज्य के विधान मंडल ने, संपदा-शुल्क अधिनियम, 1953 (1953 का 34) में संपदा-शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 1982 (1982 का 31) की धारा 3 से 6 द्वारा किए गए संशोधनों की बाबत प्रस्तावनाओं को अंगीकार करते हुए, संविधान के अनुच्छेद 252 के खण्ड (1) के अधीन एक संकल्प पारित किया है।

अतः केन्द्रीय सरकार संपदा-शुल्क अधिनियम 1953 (1953 का 34) की धारा 5क की उपधारा (2ख) के खण्ड (ख) के अनुसरण में उत्तर प्रदेश राज्य को विनिर्दिष्ट करती है जिसे उक्त संशोधन उस राज्य में समाविष्ट राज्यक्षेत्र में अवस्थित कृषि भूमियों को बाबत संपदा-शुल्क को लागू होंगे, और 1 मार्च, 1981 से ही लागू समझे जाएंगे।

[सं. 6329/फा. सं. 134/10/85-टी.पी.एल.]

एम. एस. नारायणन, अपर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 1985

### ESTATE DUTY

G.S.R. 593(E).—Whereas the Legislature of the State of Uttar Pradesh has passed a resolution under clause (1) of article 252 of the Constitution adopting the proposals with respect to the amendments made to the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953) by sections 3 to 6 of the Estate Duty (Amendment) Act 1982 (31 of 1982);

Now, therefore, in pursuance of clause (b) of sub-section (2B) of section 5A of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953), the Central Government hereby specifies the State of Uttar Pradesh to which the said amendments shall apply, and shall be deemed to have applied, on and from the 1st day of March, 1981, to estate duty in respect of agricultural lands situate in the territories comprised in that State.

[No. 6329/F. No. 134/10/85-TPL]

M. S. NARAYANAN, Addl. Secy.